आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 11.05.2025 समय 1950

मुख्य समाचार :–

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छा शक्ति का प्रतीक बताया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।
- राजधानी देहरादून में मलिन बस्तियों के पुनर्वास की कवायद शुरू। जिलाधिकारी ने कहा– प्रशासन मलिन बस्तिवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।
- चारधाम यात्रा सुचारू रूप से जारी। अब तक पांच लाख से अधिक तीर्थयात्री चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर महज़ सैन्य कार्रवाई नहीं है, बलकि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छा शक्ति का प्रतीक है। आज लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटिग्रेशन एण्ड टेसटिंग फेसिलिटी का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इस ऑपरेशन से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति और सैन्य शक्ति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि जब भी भारत आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगा तो सीमा पार के क्षेत्र आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सुरक्षित नहीं रहेंगे। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के उद्देश्य से शुरू किया था और रिहायशी इलाकों को कतई लक्ष्य नहीं बनाया गया। लेकिन पाकिस्तान ने भारत के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया और साथ ही मंदिरों, गुरूद्वारों और चर्च पर भी हमले किए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई है।

वायु सेना

वायु सेना ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे जो कार्य सौंपे गए थे वे सभी उसने पूरी सटीकता और कुशलता के साथ पूरे किए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में वायु सेना ने कहा है कि सभी ऑपरेशन राष्ट्रीय हितो को ध्यान में रखते हुए शानदार तरीके से चलाए गए। अभी यह ऑपरेशन चल रहे हैं और उचित समय पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। वायु सेना ने सभी से आग्रह किया है कि वे अटकलबाजी से बचे और अपुष्ट जानकारी साझा न करें।

उच्च स्तरीय बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह मौजूद थे। यह बैठक कल दोनों देशों के सैन्य अभियान महा–निदेशकों के एक–दूसरे से बात करने के बाद संघर्ष विराम के मद्देनजर हुई।

सीएम लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार उत्तराखण्ड के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हरबंस कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या के स्थायी समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य जारी है। रिस्पना और बिंदाल नदियों के ऊपर एलिवेटेड रोड के निर्माण की योजना भी तैयार की जा रही है। इसके साथ ही देहरादून दिल्ली एलिवेटेड रोड, सौंग बांध परियोजना, जैसी अनेक योजनाओं पर कार्य जारी है।

इस अवसर पर श्री धामी ने कहा कि प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने और तीर्थाटन व पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए भी अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

स्लम फ्री

राजधानी देहरादून को मलिन बस्ती मुक्त बनाने तथा बस्तियों के पुनर्वास के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। आज देहरादून में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी सविन बंसल ने नगर निगम, एमडीडीए को बिंदाल व रिस्पना किनारे रिवर फ्रंट पर बसी बस्तियों के विस्थापन योजना के लिए प्रभावी कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य नगर आयुक्त को 2016 से पहले और बाद बसी बस्तियों की 05 दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण जीवन सभी का मौलिक अधिकार है तथा प्रशासन मलिन बस्ती निवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में श्री बंसल ने कहा कि न्यायालय के आदेशों का अनुपालन करते हुए मलिन बस्ती निवासियों के लिए पुनर्वास नीति बनाते हुए नदी किनारे से अतिक्रमण व मलिन बस्तियों को हटाने की कार्रवाई की जानी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का दायित्व है कि मलिन बस्तियों में रहने वालों को व्यवसाय से

जोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वासित किया जाए, ताकि मलिन बस्तियों की नई पीढ़ी सुरक्षित और अच्छा जीवन जी सके और नदियों और नालों को प्रदूषण मुक्त बनाकर उनके प्रवाह में कोई बाधा न आए।

चारधाम यात्रा

चारधाम यात्रा के लिए देश–दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अब तक पांच लाख से अधिक तीर्थयात्री श्री केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री औरयमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही से स्थानीय व्यापारी और सरकार उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा कि राज्य सरकार चारधाम यात्रा को निर्बाध, सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित हैं और यातायात के लिए खुले हैं।

उधर, रुद्रप्रयाग जिले में श्रद्धालु पैदल, डंडी–कंडी, हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस बीच घोड़े और खच्चरों को जरूरी सामान ढोने की अनुमति दे दी गई है। पशुओं में फैले इक्वाइन इन्फ्लूएंजा नामक संक्रामक रोग के चलते एहतियातन पैदल मार्ग पर घोड़ों और खच्चरों के संचालन पर रोक लगाई गई थी। केदारनाथ धाम की यात्रा में घोड़े और खच्चर स्थानीय लोगों की आजीविका और आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

कार्तिक स्वामी

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित भगवान कार्तिकेय के एकमात्र मंदिर कार्तिक स्वामी में 18 मई को 108 बालमपुरी शंखों का पूजन किया जाएगा। इस अनुष्ठान में दक्षिण भारत के शिवाचार्य शामिल होंगे। पर्यटन विभाग, प्रशासन और कार्तिकेय मंदिर समिति के सहयोग से यह आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कार्तिकेय मंदिर समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि इस अनुष्ठान के बाद 28 मई से 4 जून तक कार्तिक स्वामी की बसुधारा यात्रा आयोजित की जाएगी, जो बदरीनाथ धाम तक आयोजित होगी।

चम्पावत जिला अस्पताल

चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति के लिए जिला अस्पताल को पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं, आपातकालीन तैयारियों और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य सहयोगी स्टाफ की शिफ्टवार ड्यूटी और उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जिला अस्पताल में 66 बेड हैं और निर्माण कार्य पूरा होने पर बेड की संख्या दोगुनी हो जाएगी।

एम्स

ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान– एम्स, में 'अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग सप्ताह' के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा रक्तदान शिविर और विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। पांच मई से शुरू हुए नर्सिंग सप्ताह के दौरान कार्यस्थल पर योग सत्र, क्विज प्रतियोगिताएं, पोस्टर, फोटोग्राफी और खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका फोकस नर्सिंग स्टाफ के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर रहा। एम्स संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह ने नर्सिंग स्टाफ द्वारा किए गए सेवा कार्यों और रक्तदान की सराहना की। उन्होंने इस पहल को समाज के प्रति नर्सों की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।